मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 138, मुंबई, शुक्रवार, 2 अगस्त, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

राष्ट्रगान के बीच गडकरी की तबीयत बिगड़ी

सोलापुर। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को सोलापुर में हुई जनसभा में राष्ट्रगान के दौरान चक्कर आ गए। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें सहारा देकर बैठाया। डॉक्टरों ने बताया कि

गले में संक्रमण के कारण बुधवार को उन्होंने अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक्स ले ली थी, जिस वजह से उन्हें चक्कर आ गए। गडकरी के सहयोगी ने बताया कि महाराष्ट्र के सोलापुर स्थित पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर यूनिवर्सिटी में आयोजित हुई सभा के बाद स्थानीय डॉक्टर ने उनकी तबीयत देखी। फिलहाल उनका ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर सामान्य है।

'महा जनादेश' यात्रा शुरू

सीएम बोले- अब राज्य में सूखा नहीं दिखेगा

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने 'महा जनादेश' यात्रा की शुरूआत कर दी है। इस दौरान सीएम 104 रैलियों, 228 स्वागत सभाओं और 20 संवाददाता सम्मेलनों को संबोधित करेंगे।

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'महा जनादेश' यात्रा की शुरूआत कर दी है। इस दौरान मुख्यमंत्री 104 रैलियों, 228 स्वागत सभाओं और 20 संवाददाता सम्मेलनों को संबोधित करेंगे। यात्रा के दौरान फडणवीस राज्य की सभी विधानसभाओं का दौरा करेंगे। बीजेपी ने 'फिर एक बार शिवशाही सरकार' और 'अबकी बार 220' के पार का नारा बुलंद किया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भगोड़े मेहुल चोकसी पर दर्ज हुआ एक और केस

37 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

संवाददाता/मुंबई। मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने भगोड़े मेहुल चोकसी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। मेहुल चोकसी पर लक्ष्मी इंफ्रा डेवलपर्स लिमिटेड के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

परीक्षा में नकल करते पकड़े गए जेट एयरवेज के छह सीनियर पायलट, 6 महीने के लिए हुए डिबार
(पढ़ें पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में 60 साल में दूसरी बार जुलाई में रेकॉर्ड बारिश
(पढ़ें पृष्ठ 5 पर)

बीएसएनएल कर्मचारियों को नहीं मिली जुलाई की सैलरी, 6 महीने में दूसरी बार संकट
(पढ़ें पृष्ठ 6-7 पर)

ब्रेकअप के बाद टूट गई थीं अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा
(पढ़ें पृष्ठ 12 पर)

बिजली पर गिरी बिजली

पहले हाफ अब माफ!

नई दिल्ली। राजधानी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवासियों को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा तोहफा दिया है। दिल्ली सरकार ने प्रति महीने 200 यूनिट तक बिजली बिल्कुल फ्री कर दी है। अगर आप महीने में 200 यूनिट बिजली खपत करते हैं तो आपको बिल नहीं भरना होगा। यह फैसला आज ही से लागू कर दिया गया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जो लोग 200 यूनिट तक खपत करते हैं, उन्हें बिजली का बिल देने की जरूरत नहीं है। उनके बिजली बिल माफ। अगर आप 201 से 400 यूनिट तक बिजली खपत करते हैं, तो लगभग आपको 50 फीसदी सब्सिडी मिलेगी। लेकिन 200 यूनिट का फायदा नहीं मिलेगा।

- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

साइकल वाला करता था छात्राओं से छेड़छाड़

मुंबई। मालाड पुलिस ने 26 वर्षीय एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है, जो कॉलेज से छूटने वाली छात्राओं का पीछा कर उनके साथ छेड़छाड़ की घटनाओं को अंजाम दिया करता था। पुलिस की गिरफ्त में आए इस आरोपी का नाम नबी शेख है। पुलिस के अनुसार, मालाड के सुराणा अस्पताल इलाके का रहने वाला नबी रोजाना साइकल से आसपास स्थित महिला विद्यालयों के पास छुट्टी के समय घूमता रहता था। सभी कॉमेंट्स देखेंअपना कॉमेंट लिखेंउन्होंने बताया कि जैसे ही कोई छात्रा उसको अकेली दिखाई देती, वह साइकल लेकर उसके पीछे-पीछे चलने लगता और मौका देखकर उसके साथ छेड़छाड़ कर भाग जाता था। पुलिस के अनुसार, 24 जुलाई को एक पीड़िता ने इस घटना की जानकारी मुंबई पुलिस को ट्वीट के जरिए दी। पुलिस ने ट्वीट को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय एसएनडीटी कॉलेज के पास जाल बिछाया, लेकिन आरोपी पुलिस को देखकर नहीं आया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद ली और सभी आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, लेकिन आरोपी दिखाई नहीं दिया। इस बीच, पुलिस को एक संदिग्ध साइकल वाला व्यक्ति सुराणा अस्पताल की ओर जाते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने सुराणा अस्पताल के आसपास लगे सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो वहां एक भी संदिग्ध साइकल चालक दिखाई नहीं दिया। इसके बाद मालाड पुलिस ने वहां सादी वर्दी में अपने पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया। पुलिस की यह रणनीति काम आ गई और आरोपी की पहचान होते ही उसे पुलिस ने पकड़ लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी नबी ने पुलिस को पिछले सप्ताह दो बार ऐसी हरकतें करने की बातें स्वीकार कीं। नबी की बातों की पुष्टि के लिए पुलिस की एक टीम एसएनडीटी कॉलेज गई, जहां 19 वर्षीय एक अन्य लड़की ने 20 जुलाई को साइकल चालक अज्ञात व्यक्ति द्वारा गलत हरकत करने की बात कही। इस दूसरी पीड़िता के बयान के आधार पर ही आरोपी नबी शेख के खिलाफ पुलिस ने आईपीसी की धारा 354 के तहत मामला दर्ज किया। स्थानीय कोर्ट ने आरोपी नबी को 1 अगस्त तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। घटना की जांच मालाड पुलिस कर रही है।

जोमैटो मामला: मुंबई डब्बावाला संघ ने ग्राहक की आलोचना की

मुंबई। मुंबई डब्बावाला संघ ने गैर-हिंदू से डिलीवरी लेने से इनकार करने वाले जबलपुर के जोमैटो ग्राहक की बृहस्पतिवार को आलोचना की। यह संघ मुंबई में मशहूर टिफिन अथवा भोजन का डब्बा पहुंचाने वालों का प्रतिनिधित्व करता है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में ग्राहक अमित शुक्ला ने दो दिन पहले ट्विटर पर दावा किया था कि उसने जोमैटो के भोजन की डिलीवरी लेने से इसलिये इनकार कर दिया, क्योंकि उसे डिलीवरी पहुंचाने का काम एक मुसलमान को दिया गया था। पांच हजार सदस्यों वाले डब्बावाला संघ के प्रवक्ता सुभाष तालेकर ने कहा कि जोमैटो का प्रतिनिधि अपनी आजीविका कमाने के लिये काम कर रहा था। उन्होंने पूछा, यह ग्राहक तब क्या करता जब वह बहुत ज्यादा भूखा होता और किसी अन्य धर्म का व्यक्ति उसके लिये भोजन लाता? उन्होंने एक बयान में कहा, हम डिलीवरी बॉय अलग धर्म का होने की वजह से ऑर्डर रद्द करने की इस हरकत की निंदा करते हैं। डिलीवरी करने वाला हिंदू-मुस्लिम कोई भी हो सकता है। वह अपनी आजीविका के लिये अपना काम करता है। ऐसे कामगारों का कोई धर्म नहीं होता।

महालक्ष्मी एक्सप्रेस: जब फंसी थी पूरी ट्रेन, ये 4 'हीरो' थे मुस्तैद

मुंबई। जब बीते शुक्रवार चीफ टिकट इंस्पेक्टर रत्नपारखी, अरुण सिंह, डीवी लाकडे और आजिंक्या शिंदे महालक्ष्मी एक्सप्रेस पर सीएसएमटी से सवार हुए तो उन्होंने सोचा ही नहीं था कि बदलापुर पहुंचकर उन्हें कितनी भयानक स्थिति का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने प्रशासन और यात्रियों के बीच में पुल की तरह काम किया। ट्रैक्स पर पानी भरा था और हड़कंप मचा था लेकिन चारों अधिकारी स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहतकार्य में जुटे रहे।

इन लोगों ने यात्रियों से अपना खान जरूरतमंदों के साथ शेयर करने के लिए भी कहा। सिंह ने बताया कि जब ट्रेन बदलापुर से पहले शाम 4 बजे रुकी तो पानी स्तर ट्रैक पर ज्यादा नहीं था लेकिन कुछ ही

(From left) AP Shinde, Arun Singh, DV Lakade and Ratnaparakhi

मिनट में तेजी से बढ़ गया। उन्होंने बताया कि सबसे खराब स्थिति शनिवार सुबह 7 बजे की थी जब दरवाजे पर पानी दस्तक देने लगा। सिंह ने बताया कि उनके कोच में एक महिला रोने लगी और वह महिला का डर दूर करने की कोशिश करते रहे।

सबके बाद अपना ख्याल

रत्नपारखी ने बताया कि वह और उनके तीनों साथी ट्रेन से सबसे आखिर में उतरे। तब तक केवल मोटरमैन और गार्ड बचे थे। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि सभी यात्रियों को बचा लिया जाए, उसके बाद ही उन्होंने अपनी सुरक्षा के बारे में सोचा। रत्नपारखी ने बताया कि उनके पास पानी की सिर्फ एक बोतल थी जो सुबह तक खत्म हो गई। उन्होंने बताया, 'कुछ खाना और पानी नावों से आया और हमने सुनिश्चित किया कि यात्रियों में उसे बांटा जाए। हमें दोपहर 2:30 बजे के बाद ही खाने-पीने को मिला।'

पुलिसकर्मियों ने सेलिब्रेट किया आरोपी का जन्मदिन, सस्पेंड

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक आरोपी का पुलिस स्टेशन के अंदर जन्मदिन मनाना 5 पुलिसकर्मियों को भारी पड़ गया। पुलिस कमिश्नर संजय बर्वे ने मंगलवार रात इन सभी को सस्पेंड कर दिया। निलंबित पुलिसकर्मियों में 3 पुलिस निरीक्षक और 2 सिपाही हैं। इनके नाम- सचिन कोखरे, पंकज सेवाले, सुभाष घोसालकर, अनिल गायकवाड और मारुति जुमाडे हैं।

इस घटना से जुड़े कुछ फोटो के वायरल होने के बाद इन सभी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हुई। फोटो में दिख रहा है कि अयान खान नामक आरोपी के जन्मदिन का केक पुलिस स्टेशन में काटा जा रहा है। इस दौरान कई पुलिसकर्मी भी शामिल दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने तालियां बजाईं और आरोपी को केक खिलाया। फोटो वायरल होने के बाद जब सोशल मीडिया पर मुंबई पुलिस की काफी आलोचना हुई, तो आला अधिकारियों ने डीसीपी अखिलेश सिंह को जांच के आदेश दिए। जांच में संबंधित पुलिसकर्मियों के स्टेटमेंट लिए गए और पुलिस स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज देखे गए। जिस आरोपी का जन्मदिन मनाया गया, उससे भी पूछताछ की गई। उसके बाद डीसीपी ने अपनी रिपोर्ट वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को भेजी। इसके बाद मंगलवार को जांच के घेरे में आए सभी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। अब इनके खिलाफ विभागीय जांच भी होगी।

लगातार बारिश से झीलें लबालब, एक साल तक नहीं करनी होगी पीने के पानी की चिंता

मुंबई। मुंबईकरों की अगले एक साल तक पानी आपूर्ति की चिंता लगभग खत्म हो गई है। 31 जुलाई को सुबह 6 बजे तक मुंबई की झीलों में स्टॉक 85.68% है, जबकि 2018 में 31 जुलाई तक 83.30% स्टॉक था। हालांकि, 2017 में इसी दिन तक यह स्टॉक 86.44% था। इस सीजन में पहली बार ऐसी स्थिति आई है कि स्टॉक पिछले साल के मुकाबले अधिक हुआ है। लगातार हुई बारिश ने झीलों के स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है।

झीलों में पिछले 11 दिनों में 32 प्रतिशत स्टॉक जमा हुआ है। 21 जुलाई से 31 जुलाई के बीच स्टॉक तेजी से बढ़ा है। आंकड़ों के

मुताबिक, 21 जुलाई को स्टॉक झीलों में स्टॉक 52.88% था, जो 31 जुलाई को बढ़कर 85.68% हो गया। यानी, कुल 11 दिन में स्टॉक में 32.8% की बढ़ोतरी हुई है।

अपर वैतरणा में भी स्टॉक तेजी से बढ़ा

अपर वैतरणा में पानी का स्टॉक काफी लंबे समय से धीमी गति से बढ़ रहा था, लेकिन दो दिनों में ही स्टॉक करीब 39% बढ़ गया। 29 जुलाई को अपर वैतरणा में स्टॉक 43.72% था जो कि 31 जुलाई को बढ़कर 62.65% हो गया। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली झीलों में से चार भर चुकी हैं। सर्वाधिक 50 प्रतिशत पानी देने वाली भातसा का भी स्टॉक 84 प्रतिशत के पार पहुंच चुका है।

9 साल की बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी फरार

मुंबई। शहर में 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। इससे एक बार फिर पुलिस सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल, पीड़ित बच्ची की मां की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पिछले दो माह में इस तरह बच्चियों से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के कई मामले सामने आ चुके हैं। महिला ने पुलिस को बताया कि वह काम पर गई थी। घर पर उसकी बेटी अकेली थी। इसी दौरान, अज्ञात शख्स उसके घर गया और दुष्कर्म किया। बता दें कि कुछ महीने पहले इसी क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से गैंगरेप का मामला सामने आया था। उधर, वाडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म किया गया है।

रेप के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुंबई पुलिस के अनुसार, लड़की को घर में बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा था। विरोध करने पर आरोपी उसे पीटता था। उन्होंने बताया कि आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक–**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई–68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी–2–301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

परीक्षा में नकल करते पकड़े गए जेट एयरवेज के छह सीनियर पायलट

6 महीने के लिए हुए डिबार

संवाददाता

मुंबई। जेट एयरवेज के पूर्व सीनियर पायलटों की इंडिगो में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई। इन पायलटों को इंडिगो की ए 320 फ्लाइट उड़ाने के लिए भर्ती किया जाना था। परीक्षा के दौरान डीजीसीए के पर्यवेक्षक के कैमरे में छह पायलट नकल करते हुए पकड़े गए। बोइंग 737 पायलटों को बुधवार को छह महीने के लिए डिबार कर दिया गया है। अब छह महीने के बाद उन्हें फिर से परीक्षा के लिए आवेदन करना होगा। पायलटों की यह परीक्षा 22 जुलाई को इंडिगो द्वारा आयोजित की गई थी। बोइंग 737 विमानों में जेट एयरवेज के छह पायलट थे। बहुविकल्पीय सवालों के जवाब के लिए उन्होंने एक-दूसरे से खुलकर जवाब पूछे। कैमरे में नजर आया कि वे लिखित परीक्षा के लेकर गंभीर नहीं थे। बोइंग 737 पर छह पायलट अत्यधिक अनुभवी हैं लेकिन ये प्रश्न ए 320 एयरक्राफ्ट से

संबंधित थे, जो उन्हें इंडिगो के लिए उड़ाना था। परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए कम से कम उन्हें सत्तर फीसदी नंबर लाने थे। नागरिक उड्डयन महानिदेशक अरुण कुमार ने बताया कि परीक्षा के दौरान नकल करने को लेकर छह पायलटों को डिबार कर दिया गया है। अब वह छह महीने बाद ही परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

छह महीने के लिए ग्राउंड पर भेजे गए

जेट एयरवेज ने इस साल अप्रैल में अपने उड़ान संचालन को स्थगित कर दिया था, छह पायलट इंडिगो में शामिल हो गए थे। इंडिगो बोइंग 737 विमानों का परिचालन नहीं करता है, इसलिए पायलटों को टाइप-रेटिंग नामक प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। टाइप रेटिंग एक तरह का सर्टिफिकेट होता है जो पायलटों को एक निश्चित प्रकार के विमान को उड़ाने के लिए नियामक द्वारा दिया जाता है। ए 320 उड़ाने के लिए पायलटों को अतिरिक्त प्रशिक्षण के बाद उन्हें परीक्षाओं को पास करना जरूरी है। टाइप-रेटिंग प्रशिक्षण ग्राउंड ट्रेनिंग क्लासेस से शुरू होता है जहां पायलट विशेष विमान पर सिस्टम, उसके प्रदर्शन, सीमाओं आदि के बारे में सीखते हैं। ग्राउंड परीक्षा के प्रशिक्षण के अंत में, पायलटों को एक लिखित परीक्षा पास करनी होती है। मैनपावर की कमी के कारण पिछले 8-9 वर्षों से DGCA ने एयरलाइंस को टाइप-रेटिंग परीक्षा कराने की अनुमति दी है। डीजीसीए से एक फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर परीक्षाओं की निगरानी के लिए जाता है।

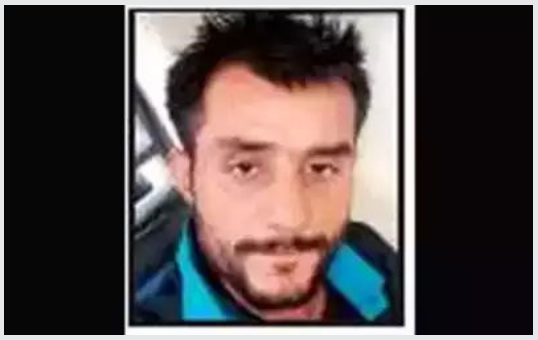

बाढ़ के दौरान चार दिन से लापता शख्स का शव नाले में मिला

कल्याण। कल्याण के पास बाढ़ प्रभावित कंबा में एक शख्स का शव लापता होने के चार दिन बाद बुधवार सुबह एक नाले में पाया गया। टिटवाला पुलिस ने बताया है कि इलाके में 10 फीट तक पानी भरा है। बदलापुर में उल्हास नदी के पास निचले इलाकों में बाढ़ से करीब 50,000 लोग प्रभावित हुए हैं। मृतक की पहचान राकेश सोलंकी के रूप में हुई है। राकेश अपनी मां, बहन और बहनोई के साथ मौर्या नगरी में रहते थे। उनके परिवार ने उन्हें आखिरी बार शनिवार सुबह 7 बजे देखा था। उनके घर में बाढ़ का पानी भरने से परिवार ने दूसरे गांव में शरण ली थी। उनकी बहन ने बताया है कि पिछले शुक्रवार को जब घर में पानी भरने लगा तो परिवार दूसरे गांव में चला गया। अगले दिन सुबह राकेश ने चाय पी और चले गए। वह कई बार बाहर जाते थे और दो-तीन दिन बाद वापस आते थे। परिवार को लगा इस बार भी ऐसा ही होगा। हालांकि, बुधवार को उन्हें एक व्यक्ति के बाढ़ में मारे जाने की खबर मिली। जब शव को देखा तो कपड़ों और टैटू से पहचान की। सीनियर इंस्पेक्टर बालाजी पंधारे ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि उनकी मौत बाढ़ में हुई है।

बीजेपी में प्रवेश पर एनसीपी नगरसेवकों में पड़ी फूट!

11 दलबदल से दूर

नवी मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के पूर्व दिग्गज नेता गणेश नाईक के बीजेपी में प्रवेश को लेकर नवी मुंबई के 52 नगरसेवकों में फूट पड़ती दिख रही है। पार्टी के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, 11 नगरसेवक नाईक परिवार से दूरी बना रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि एनसीपी के कुछ और नगरसेवक शिवसेना और कांग्रेस के संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि नाईक की नवी मुंबई के एनसीपी नगरसेवकों पर पकड़ उतनी मजबूत नहीं है, जितनी पहले दिख रही थी। सोमवार को नवी मुंबई के महापौर बंगले में हुई बैठक में एनसीपी के 52 और 5 निर्दलीय समेत 57 नगरसेवकों के बीजेपी में जाने का दावा किया गया था। बैठक के बाद सभी नगरसेवक मंगलवार को नाईक के पास जाकर आग्रह करने वाले थे कि नवी मुंबई के विकास के लिए वह

सबको साथ लेकर बीजेपी में शामिल हो जाएं। वहीं, 52 में से 11 नगरसेवक शुरू से आखिर तक 'गायब' ही रहे। हालांकि, कहा गया कि अनुपस्थित नगरसेवक निजी कारणों से शहर से बाहर थे, इसलिए मंगलवार की बैठक में नहीं आ सके। बीजेपी में न जाने की इच्छा रखने वाले 11 नगरसेवकों में प्रमुख नाम पूर्व उपमहापौर अशोक गावडे का बताया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि पूर्व उपमहापौर अशोक गावडे और उनकी नगरसेविका बेटी सपना गावडे एनसीपी में ही रहना चाहते हैं। कोपरखैरणे से एनसीपी नगरसेवक शंकर मोरे भी मंगलवार की बैठक में शामिल नहीं थे। अनुपस्थित रहने वालों में निर्दलीय नगरसेविका सायली शिंदे, कोपरखैरणे से ही नगरसेविका भारती पाटील, तुर्भे से चुनी गईं 2 महिला नगरसेविका, तुर्भे से ही चुने गए नगरसेवक, मनपा की स्थायी समिति के पूर्व सभापति और गणेश नाईक के कट्टर समर्थक सुरेश कुलकर्णी, उनके 3 समर्थक नगरसेवक शमिल हैं। सुरेश कुलकर्णी के न आने की वजह उनकी मां का निधन बताई जा रही है।

सत्ता में मचेगा घमासान: बीजेपी में प्रवेश की इच्छा न रखने वाले 11 नगरसेवकों की टोली में 8 और नगरसेवकों के शामिल होने की खबर है। यदि ऐसा हुआ, तो नाईक परिवार के साथ बीजेपी में जाने वाले नगरसेवकों की संख्या सिमटकर 33 हो जाएगी। नवी मुंबई मनपा में सत्तारूढ एनसीपी की सत्ता पलटने के लिए बीजेपी को एनसीपी के 36 नगरसेवकों की जरूरत है। हालांकि बीजेपी के स्वयं के 6 नगरसेवक हैं। फिलहाल, सत्ता हथियाने का बीजेपी का सपना पूरा होता नहीं दिख रहा है। दूसरी तरफ, 39 नगरसेवकों के साथ शिवसेना भी सत्ता में सेंध लगाने की कोशिश में है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

तीन तलाक को तलाक

संसद के दोनों सदन से तीन तलाक यानी मुस्लिम महिला विवाह संरक्षण विधेयक का पारित होना ऐतिहासिक घटना है। भारत जैसे देश में जहां राजनीतिक दलों की मुख्य चिंता वोट बैंक की होती थी, वहां एक समुदाय के बड़े वर्ग का विरोध झेलते हुए ऐसे प्रगतिशील न्यायपूर्ण कानून बनाने की कुछ वर्ष पूर्व में कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। यही देश है जहां एक बूढ़ी महिला शाहबानो को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए गुजारा भत्ता के आदेश को संसद ने एक समुदाय के दबाव में आकर पलट दिया था। दो वर्ष पहले सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में साफ कर दिया था कि एक साथ तीन तलाक गैर इस्लामी, गैर कानूनी एवं संविधान विरोधी है यानी एक साथ तीन तलाक कहने भर से तलाक नहीं होगा। बावजूद तीन तलाक होते रहे। पीड़ित महिलाएं पुलिस के पास जाती थीं, लेकिन ऐसा कोई कानून नहीं था जिसके तहत पुलिस कार्रवाई कर सके। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को मूर्त रूप देने एवं इस कुप्रथा का अंत करने के लिए कड़े कानून बनाना जायज कहा जा सकता है। अब पुरुष के अहं से ग्रस्त लोग अपनी मानसिक कुंठा से महिलाओं को अपने ठेंगे पर रखने का साहस नहीं करेंगे। करेंगे तो उनके खिलाफ कानून कार्रवाई करेगा। महिलाओं को न्याय पाने का बड़ा आधार मिल गया है। यह मुस्लिम समाज के अंदर समाज सुधार का कानूनी कदम है। किंतु कोई भी सुधार समाज के सहयोग के बगैर सफल नहीं हो सकता। साहसी महिलाएं तो खड़ी होंगी, लेकिन आम महिलाएं अभी भी परिवार और मजहब के तहत ही समस्या के समाधान की कोशिश करेंगी जिसमें उनको अनेक जलालत से गुजरना होगा। समाज के एक बड़े वर्ग के अंदर भाव बिठाया गया है कि हमारे पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप किया जा रहा है। जाहिर है कि समाज के विवेकशील लोगों को आगे आना होगा। केवल कानून से महिलाओं को न्याय नहीं मिल सकता। ऐसे किसी भी समाज सुधार कानून के दुरुपयोग की भी संभावना रहती है। इसमें भी है। इसके लिए भी सचेत होने की जरूरत है। इसमें पुलिस-न्यायालय की भूमिका महत्त्वपूर्ण हो जाती है। हिंदुओं में दहेज कानून का ज्यादातर दुरु पयोग हुआ है, और इस कारण समाज सुधार का यह कानून सफल नहीं हुआ। जिस तरह तीन तलाक संबंधी बहस में मुस्लिम समाज से ही महिलाएं खुलकर सामने आई हैं, उससे समाज जागरण का पता चलता है। इस प्रक्रिया को और तेज करना होगा जिसका प्रतिगामी समूह पूरा विरोध करेगा।

कुछ चेहरे हुए बेनकाब

आजाद भारत के विधायी इतिहास में जुलाई, 2019 अनेक खराब कानूनों के लिए जानी जाएगी बल्कि अभी कुछ और भी खराब कानून बनाए जाने हैं। इनमें से अधिकांश विधेयकों को जल्दबाजी में दोनों सदनों में पारित किया गया जहां विपक्ष संख्यात्मक रूप में कम और कमजोर है। इन कानूनों में आरटीआई अमेंडमेंट एक्ट, अनलॉफुल एक्टिविटीज (प्रिवेंशन) अमेंडमेंट बिल तथा मुस्लिम वीमैन (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन मैरिज) एक्ट तो खास तौर पर प्रतीत होते हैं कि बदले की भावना या प्रतिशोधवश पारित किए गए हैं। आखिर वाला कानून तीन तलाक को अवैध ठहराता है, और तीन तलाक देने (आईटीटी) के आरोपित मुस्लिम को दोषी पाए जाने पर तीन साल कैद की बात कहता है। आरटीआई में किए गए संशोधनों से नागरिकों को उन तरीकों से वंचित होना पड़ेगा जिनसे उनका सशक्तिकरण हुआ और सरकारों को जवाबदेह बनाया जा सकता था। कहने की जरूरत नहीं कि सरकार को जनोन्मुखी मुद्दे उठाने वाले सामाजिक कार्यकताओं के खिलाफ अपने अधिकार का दुरुपयोग करने में अब आसानी होगी। आईटीटी संबंधी किए गए प्रावधान तो हास्यास्पद हैं क्योंकि कानून की दृष्टि में आईटीटी पहले से ही अवैध है। अब मुद्दा तो यह है कि जब एक 'अपराध' हुआ ही नहीं दिख रहा तो तीन साल की सजा देने को कैसे तार्किक ठहराया जा सकेगा? इस प्रकार के कानून और न्यायिक व्यवस्था पर समूचा विश्व हमें मजाक समझेगा। आईटीटी मुस्लिमों के केवल एक खत्थे (मसलक) हनफी में ही प्रचलित है। हनफी सुन्नी मुस्लिम होते हैं। हालांकि वे भारतीय मुसलमानों में अक्सरियत में हैं। नेहरू-नीत सरकार ने हिंदू विवाह अधिनियम, 1956 में बनाया तो तभी से एक वर्ग को कहीं गहरे मलाल रहा कि मुस्लिमों को लैंगिक समानता संबंधी सुधार प्रक्रिया से बाहर क्यों रखा गया? 1986 में जब राजीव गांधी-नीत सरकार ने शाह बानो (1916-1992) मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा शाह बानो के पक्ष में दिए गए फैसले को कानून बनाकर पलटा और गुजारा भत्ता उन्हें वंचित कर दिया तब मलाल की गिरफ्त में चले आ रहे वर्ग की पीड़ा और गहरा गई। राजीव सरकार ने यह सब मुल्ला-मौलवियों के दबाव में किया था। उल्लेखनीय ये दुखी केवल हिंदू दक्षिणपंथी ही नहीं थे। यहां ध्यान दिलाया जाना आवश्यक है कि अली मियां नदवी (1914-1999), ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तत्कालीन सदरए ने उर्दू में लिखे अपने

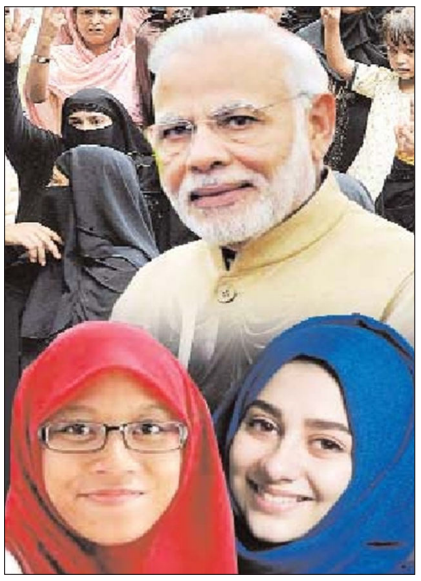

संस्मरण कारवां-ए-जिंदगी (1988)-के वॉल्यूम 3, अध्याय 4, पृष्ठ संख्या 134-135 और 157 पर स्पष्ट बताया या कहें कि कबूल किया कि उन्होंने कैसे तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी को गुमराह करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अप्रभावी करने की गरज से कानून में संशोधन करने के लिए तत्पर किया। नदवी के साथही निकोलस नुजेंट की पुस्तक 'राजीव गांधी : सन ऑफ अ डायनेस्टी (बीबीसी बुक्स, 1990, पृष्ठ 187) का संदर्भ भी लिया जा सकता है, जिसमें रहस्योद्घाटन किया गया है,' ..कांग्रेस हाई कमान ने 1986 के शुरूआती समय में उसी तरह से 'हिंदू कार्ड खेलने' का फैसला कर लिया था, जैसे मुस्लिम वीमैन बिल को 'मुस्लिम कार्ड खेलने' के लिए इस्तेमाल किया गया था। ..अयोध्या का पैकेज डील होना था..मुस्लिम वीमैन बिल के जवाब के तौर पर.. पैकेज डील में हिंदुओं का रुख करने में राजीव महत्त्वपूर्ण भूमिका में थे। ताले खुले धर्मस्थल पर पूजा-अर्चना करते हिंदुओं को दूरदर्शन पर दिखाया जाना था। शाह बानो, जिनका विवाह 1932 में हुआ था, इंदौर के धनाढ्य वकील की परित्यक्ता (1975 में) पत्नी थीं। वह 62 वर्ष की आयु में गुजारा भत्ता दिलाने की याचिका के साथसुप्रीम कोर्ट पहुंची (अप्रैल, 1978 में) थीं। बहुतों को यह प्रासंगिक तय शायद पता न हो कि शाह बानो को तीन तलाक इंदौर की कोर्ट में दी गई थी। मामले की सुनवाई कर रहे जज के यह कहने पर कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत भी शाह बानो गुजारा भत्ता की हकदार थीं। इस पर उनके पति ने तीन बार तलाक बोला था। 2019 में बने इस कानून की त्रासदी यह है कि इसमें गुजारा भत्ता की बाबत एक भी शब्द नहीं है। महिला तो सदा ही असहाय है, जैसा कि शाह बानो थीं। वैसे ही, जैसे कि अनेक हिंदू महिलाओं को भी पतियों द्वारा छोड़ दिया जाता है। असदुदीन औवेसी ने इस कानून की तमाम खामियों की तरफ अच्छे से ध्यान दिलाया है। पर लोक सभा में इसकी खामियां गिनाते हुए वह भी गुजारा भत्ते की बात भूल गए। जैसे कि वह मौलवियों को लुभार रहे थे। फरवरी, 2018 में औवेसी ने हैदराबाद में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के 26वें सत्र की मेजबानी की थी। एक हफ्ते पहले ही बोर्ड के प्रवक्ता ने लखनऊ में वादा किया था कि वह एक मॉडल निकाहनामा लाने वाले हैं, जिसमें दूल्हा तीन तलाक नहीं कहने की शपथ लेगा। अब बड़ी बेशर्मी से बोर्ड अपनी बात से फिर गया है। बोर्ड ने शायरा बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट में स्वयं को एक पक्ष बनाया था। कोर्ट ने मामले में अगस्त, 2017 में फैसला सुनाया। बोर्ड ने शपथ लेकर कहा था कि अदालत के बजाय मामला संसद में सुलझना चाहिए। लेकिन बोर्ड ने इस बाबत एक मसौदा तक तैयार नहीं किया। बजाय इसके उसने सड़कों पर उतरने को तरजीह दी। 1980 के दशक के बाद से भारतीय समाज और राजनीति का तेजी से सांप्रदायिकरण हुआ है। बहुसंख्यकवाद को इससे खुराक मिली और इन उदार-मध्यमार्गियों ने अपने कृत्यों से भारतीय 'धर्मनिरपेक्षतावाद' की छवि को धूमिल किया। माना कि मुस्लिम दकियानूसी ताकतों का यह पक्ष लेता है। दुखद यह है कि आधुनिक शिक्षा के एएमयू और जेएमआई जैसे इदारे भी मुस्लिमों तक पहुंचने में बुरी तरह नाकाम रहे ताकि उन्हें धार्मिक प्रतिक्रियावादियों से महफूज रखा जा सके। अब तो हाशिये पर पड़े मुस्लिमों में पढ़ा-लिखा मध्य वर्ग उभर आया है। उन्हें अपनी भूमिका निभानी होगी। और यह कार्य बिना देर किए तुरंत शुरू कर देना होगा। मीडिया के बंधुओं से भी एक आग्रह यह कि आरटीआई में संशोधन की वाहवाही करने से पूर्व इतना जरूर सोचें कि आरटीआई एक्ट को कमजोर कर दिया गया है। सांप्रदायिक हिंसा और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं के लिए कोई कानून बनता नहीं दिख रहा। इससे सरकार की बदनीयती का पता चलता है। आखिर में कहना चाहूंगा कि कुछ भी गलत किया गया कभी भी सही नहीं हो सकता।

ईश्वर विश्वास

चोट खाया हुआ सांप आक्रमणकारी पर ऐसी फूंफकार मारकर दौड़ता है कि उसके होश छूट जाते हैं। सांसारिक व्यथाओं से विक्षुब्ध मनुष्य की भी ऐसी ही स्थिति होती है। जब मनुष्य को पीड़ाएं चारों ओर से घेर लेती हैं, कोई सहारा नहीं सूझता तो वह निष्ठापूर्वक अपने परमेश्वर को पुकारता है। हार खाए हुए मनुष्य की कातर पुकार से परमात्मा का आसन हिल जाता है। उन्हें सारी व्यवस्था छोड़कर भक्त की सेवा के लिए भागना पड़ता है।

ऐसा समय आता है जब मनुष्य संसार को भूलकर कुछ क्षण के लिए ऐसे दिव्य लोक में पहुंचता है, जहां उसे असीम सहानुभूति और शाश्वत शांति मिलती है। अंतःकरण की समस्त वासनाएं विलीन हो जाती हैं, इंद्रियों की चेष्टाएं शांत हो जाती हैं। हिरण्यकश्यप की हठधर्मिता से दुःखी बालक प्रह्लाद ने उसे बार-बार पुकारा, उसका नारायण बार-बार उसकी मदद के लिए दौड़ा। मनुष्य बुलाए और वह न आए ऐसा कभी हुआ नहीं। द्रौपदी जान गई थी कि सभा में उसे बचाने वाला कोई नहीं है। दुःशासन चीर खींचता है। लाज न चली जाए, इस भय से निर्बल नारी दीनानाथ को पुकारती है। भगवान श्रीकृष्ण आते हैं और उसका चीर को बढ़ाते हुए चले जाते हैं।

देवासुर संग्राम की कथाओं में ऐसे अनेक वर्णन हैं। बहुत से लोग हैं, जो ईर और उसके अस्तित्व को मानने से इनकार करते हैं, पर यदि भली भांति देखा जाए तो मूढ़ताग्रस्त व्यक्ति ही ऐसा कर सकते हैं। एक बहुत बड़ा आश्चर्य हमारे सामने बिखरा पड़ा है। उसे देखकर भी जिसका विवेक जाग्रत न हो, कौतूहल पैदा न हो, उसे और कहा भी क्या जाएगा? पृवी सूर्य की परिक्रमा कर रही है, यह दृश्य आप किसी अन्य ग्रह में बैठे देख रहे होते, तो समझते मनुष्य का अभिमान कितना छोटा है। विशाल ब्रचण्ड की तुलना में वह चींटी से भी हजार गुना छोटा लगेगा। अनंत आकाश और उस पर निरंतर होती रहती ग्रह-नक्षत्रों की हलचल, सूर्य, चन्द्रमा, सागर, पर्वत, नदियां, वृक्ष, वनस्पति, मनुष्य आदि के स्वयं के बदलते हुए क्षण क्या यह सब मनुष्य का विवेक जाग्रत करने के लिए काफी नहीं है?

परमात्मा का अस्तित्व मानने के लिए क्या इतने से संतोष नहीं होता? विचारवान व्यक्ति कभी ऐसा नहीं सोचेगा। आदिकाल से लेकर अब तक जितने भी संत, महापुरुष हुए हैं और जिन्होंने भी आत्म कल्याण या लोक कल्याण की दिशा में कदम उठाया है, उन सबने परमात्मा-ईश्वर का आश्रय मुख्य रूप से लिया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
2 अगस्त, 2019

मुंबई में 60 साल में दूसरी बार जुलाई में रेकॉर्ड बारिश

मुंबई। मायानगरी मुंबई में भले ही मॉनसून देरी से पहुंचा, लेकिन शुरूआत से ही जारी भारी बारिश के चलते जुलाई महीने में रेकॉर्ड स्तर पर बारिश दर्ज हुई है। क्षेत्रीय मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले 60 सालों में यह दूसरी बार है, जब जुलाई महीने में 1400 एमएम से अधिक बारिश दर्ज की गई है। मुंबई और आसपास के इलाकों में बारिश आगे भी जारी रहेगी। इस दौरान कुछ जगहों पर बारिश के अच्छे स्पेल देखने को मिल सकते हैं। बारिश के आंकड़ों को लेकर मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार सुबह 8 बजे तक मुंबई शहर में 43.4 और उपनगर में 65.1 एमएम बारिश दर्ज हुई। इन आंकड़ों को मिलाकर बुधवार तक पूरे जुलाई में होने वाली बारिश का आंकड़ा शहर में 1175.1 एमएम, जबकि उपनगर में 1464.8 एमएम जा पहुंचा है। मौसम विभाग पश्चिम भारत के उप महानिदेशक के.एस होसालिकर

ने बताया कि जुलाई 1959 के बाद से लेकर अब तक यह दूसरी बार है, जब मुंबई में इतनी अधिक बारिश दर्ज हुई है। इससे पहले जुलाई 2014 में 1468.5 एमएम बारिश दर्ज हुई थी। बता दें कि मुंबई में अब तक सीजन की 89 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि जुलाई में सामान्यतः शहर में 686 और उपनगर में 799 एमएम बारिश होती है, लेकिन इस साल जुलाई में सामान्य से करीब दोगुनी अधिक बारिश हुई है। मौसम का पूर्वानुमान करने वाली निजी संस्था स्काइमेट के प्रमुख महेश पलावत ने कहा कि बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और बारिश के करीब 4 अच्छे स्पेल के चलते कम समय में रेकॉर्ड बारिश हुई है। मॉनसून लगभग 15 दिन की देरी से मुंबई पहुंचा था, लेकिन शुरूआत में हुई मूसलाधार बारिश के चलते कम समय में बारिश का ग्राफ ऊपर चला गया। मुंबई ठाणे और पुणे सहित राज्य के आंतरिक हिस्सों में भी अच्छी बारिश हो रही है। मराठवाडा और विदर्भ क्षेत्र में आने वाले दो से तीन दिनों में और भी अच्छी बारिश देखने को मिलेगी।

शनिवार को फिर तेज बारिश: महानगर में जारी बारिश का असर आगे भी रहेगा, हालांकि अब बारिश कम होगी। मौसम विभाग की तरफ से जारी चेतावनी के अनुसार, शुक्रवार तक मुंबई, ठाणे, पालघर इत्यादि इलाकों में रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी, जबकि शनिवार को फिर से तेज बारिश हो सकती है। बता दें कि चेतावनी मौसम विभाग की तरफ से लाल रंग में जारी की गई है, जिसका मतलब है कि बारिश की संभावना प्रबल है और इसके लिए संबंधित विभाग तैयारी रखें।

मुंबई-पुणे के बीच चलेगी हाइपर लूप, मिली मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र कैबिनेट ने मुंबई को पुणे से जोड़ने वाली हाइपर लूप परियोजना को अपनी मंजूरी दे दी है। पूरी तरह से विदेशी तकनीक पर आधारित इस सेवा को साकार करने के लिए करीब 70,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस पूरी परियोजना को पूरा होने में 6 से 7 वर्ष लगेंगे। मुंबई से पुणे की 117.50 किलोमीटर की दूरी तय करने में आज तीन से चार घंटे में लगते हैं, लेकिन हाइपर लूप से यह दूरी महज 23 मिनट में पूरी हो की जाएगी। इस परियोजना के लिए डीपी वर्ल्ड एफजेडई और हाइपर लूप टेक्नालॉजीज, आइएनसी की भागीदारी घोषित की है। इस परियोजना पर 70,000 करोड़ की लागत का अनुमान है जो सीधे विदेशी निवेश से पूरा की जाएगी। हाइपर लूप की रफ्तार 496 किमी प्रतिघंटे हैं। यानी मुंबई-पुणे के बीच की पूरी दूरी महज 23 मिनट में पूरी की जा सकेगी। पहले चरण में 5,000 करोड़ रुपये खर्च कर 11.80 किमी लंबी पथदर्शी परियोजना का पुणे महानगर में निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। पथदर्शी परियोजना अगले दो से ढाई साल में पूरी हो जाएगी। उसके बाद बाकी योजना को पूरा किया जाएगा। मुंबई-पुणे की हाइपर लूप परियोजना पूरी होने से देश के परिवहन क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आने की उम्मीद है। गौरतलब है कि मुंबई में आयोजित मैग्नेटिक महाराष्ट्र कार्यक्रम में अमेरिका के वर्जिन समूह ने महाराष्ट्र सरकार के साथ मुंबई और पुणे के बीच हाइपर लूप परिवहन प्रणाली के निर्माण के लिए एमओयू किया था। तब वर्जिन ग्रुप के चेयरमैन रिचर्ड ब्रैन्सन ने कहा था कि पहला हाइपर लूप मार्ग मध्य पुणे को मुंबई के अलावा नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भी जोड़ेगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

'महा जनादेश' यात्रा शुरू, सीएम बोले- अब राज्य में सूखा नहीं दिखेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं जनता से वादा करता हूं कि अब आगे राज्य में सूखा नहीं दिखेगा। बारिश की बूंद-बूंद का संरक्षण किया जाएगा। इस पानी को सूखाग्रस्त इलाके में यूज किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि वो अपना बहुमूल्य जनादेश बीजेपी सरकार को दें। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रदेश सरकार ने एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये की बचत करने में सफलता हासिल की है। यह आम आदमी की गाढ़ी कमाई है। उन्होंने कहा कि हम 8 करोड़ फर्जी खातों को ट्रैक करने में भी सफल रहे हैं। इनके जरिए सरकारी योजनाओं का लाभ लिया जा रहा था। अमरावती जिले में गुरुकुंज मोजारी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अगर कोई मुझ से पूछेगा कि देवेंद्र फडणवीस ने कैसा काम किया है तो मैं कहूंगा मुझे उनके काम पर गर्व है। उन्होंने सिर्फ विकास किया है और जो काम हुए हैं वे करिश्माई हैं। उन्होंने कहा कि हर गांव को भारत के मुख्य शहरों से जोड़ने के लिए केंद्र की ओर से 100 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बता दें कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर जहां शिवसेना की युवा सेना के प्रमुख आदित्य ठाकरे महाराष्ट्र में 'जन आशीर्वाद' यात्रा निकाल रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1 अगस्त से 'महा जनादेश' यात्रा की शुरूआत की है।

बिजली पर गिरी बिजली

केजरीवाल ने बताया कि अगर कोई 200 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करता है तो उसे बिजली बिल देने की जरूरत नहीं है। वहीं 201 यूनिट होने पर बिल देना होगा। 201 से 400 यूनिट तक आधी सब्सिडी मिलेगी। सरकार के फैसले के बाद कई लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि अगर 200 से एक यूनिट भी ज्यादा खपत हुई तो क्या होगा। मान लीजिए 300 यूनिट की खपत हो गई तो क्या होगा। इस स्थिति में 200 से बाद यानी 100 यूनिट पर आधा बिल लगेगा या फिर पूरी 300 यूनिट पर आधा होगा। ऐसे में आपको बता दें कि दिल्ली सरकार ने यहां पहले से लागू नीति पर ही अमल किया है। 2015 में यह नियम बना था कि 200 से ऊपर होने पर पूरे बिल का आधा आपको देना होगा। उदाहरण के तौर पर 300 यूनिट होने पर आपको 150 के पैसे देने होंगे। पहले की सरकारों पर हमला बोलते हुए केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पहले हर साल बिजली बिल बढ़ाए जाते थे। उन्होंने कहा कि अब आप सरकार में पावर कट कम हुए हैं, जबकि पहले जमकर पावर कट लगाए जाते थे, जिसकी वजह से हर साल इन्वर्टर और बैटरी खरीदने पड़ते थे। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को ही फिक्सड चार्ज भी घटाए थे। जिन लोगों का सैंक्शन लोड 2 किलोवाट तक है, उन्हें हर महीने पहले 125 रुपये/किलोवाट के हिसाब से फिक्स्ड चार्ज देना पड़ता था, 1 अगस्त से अब उन्हें 20 रुपये/ किलोवाट के हिसाब से फिक्स्ड चार्ज देना होगा। इस तरह से दो किलोवाट लोड पर सभी चार्ज को मिलाकर 244 रुपये तक की बचत होगी। 3 किलोवाट तक लोड होने पर 313 रुपये तक हर महीने बचत होगी।

भगोड़े मेहुल चोकसी पर दर्ज हुआ एक और केस

मेहुल चोकसी ने लक्ष्मी इंफ्रा डेवलपर्स लिमिटेड को 37.22 करोड़ रुपए की संपत्ति बेची थी, जिसे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बाद में जब्त कर लिया था। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक, चेकसी ने लक्ष्मी इंफ्रा डेवलपर्स को एक बिल्डिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा 37 करोड़ रुपए में बेच दिया लेकिन बाद में ईडी ने इस प्रॉपर्टी को जब्त कर लिया। अपराध शाखा के अधिकारी ने कहा कि देश भागने से ठीक पहले चोकसी ने यह प्रॉपर्टी बेच दी और लक्ष्मी इंफ्रा डेवलपर्स के साथ धोखाधड़ी की। चोकसी ने इस कंपनी को 37.22 करोड़ रुपए का चूना लगाया। ईडी ने अभी हाल में भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की कुल 24.77 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति जब्त की है जिसमें कीमती वस्तुएं, गाड़ियां और बैंक खाते शामिल हैं। 13,500 करोड़ रुपए के पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में यह कार्रवाई धनशोधन निवारक कानून 2002 के तहत की गई। ईडी ने चोकसी की दुबई स्थित तीन व्यावसायिक संपत्तियां, कीमती वस्तुएं, एक मर्सिडीज बेंज ई-280 और मियादी जमा राशि जब्त की। चोकसी ने पिछले साल एंटीगुआ की नागरिकता ले ली थी। ईडी ने अब तक 2,534.7 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और ईडी की ओर से मामले में चोकसी और नीरव मोदी के खिलाफ जांच की जा रही है। ईडी ने चोकसी के प्रत्यर्पण की मांग की है और ईडी की मांग पर मेहुल चोकसी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है।

BSNL कर्मचारियों को नहीं मिली जुलाई की सैलरी

6 महीने में दूसरी बार संकट

नई दिल्ली। लंबे समय से आर्थिक संकट से जूझ रही टेलिकॉम कंपनी बीएसएनएल के कर्मचारियों को जुलाई की सैलरी के लिए अभी और इंतजार करना होगा। दरअसल, बीएसएनएल अपने कर्मचारियों को जुलाई का वेतन 5 अगस्त तक देगी। बीएसएनएस के सीएमडी पी के। पुरवार ने न्यूज एजेंसी कहा, हम इस पर काम कर रहे हैं। हम इसे करेंगे। हम वेतन निश्चित रूप से 4 या 5 अगस्त तक भुगतान कर देंगे।

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि सरकारी बैंकों की दूरसंचार सचिव के साथ 22 जुलाई को एक बैठक हुई थी और ऋण की प्रक्रिया में कुछ प्रगति हुई है। ऐसे में बीएसएनएल जुलाई का वेतन अगस्त के प्रथम सप्ताह में देने के लिए काफी कोशिश कर रही है।

वहीं ऑल इंडिया बीएसएनएल इंप्लाइज यूनियन के महासचिव प्रहलाद राय ने कहा, रफिलहाल बीएसएनएल प्रबंधन वेंडरों के बकाया 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के कुछ हिस्से को आंतरिक स्त्रोतों से भुगतान कर रहा है। इसके बाद आंतरिक स्त्रोतों से ही 10 दिनों के भीतर कंपनी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान कर देगी।

दूसरी बार सैलरी संकट

यह 6 महीने के भीतर दूसरी बार है जब बीएसएनएल के कर्मचारियों की सैलरी समय से नहीं मिली है। इससे पहले फरवरी में भी कर्मचारियों को सैलरी के लिए इंतजार करना पड़ा था। बीएसएनएल के कर्मचारियों को 15 मार्च तक फरवरी की सैलरी मिल सकी थी। बता दें कि कंपनी हर महीने के आखिरी वर्किंग डे तक अपने कर्मचारियों को सैलरी दे देती है। बीएसएनएल को मासिक वेतन के रूप में कुल 850 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ता है। अभी बीएसएनएल के पास करीब 1.80 लाख कर्मचारी हैं।

बता दें कि बीएसएनएल मौजूदा समय में गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रही है और सरकार वीआरएस, एमटीएनएल के साथ इसके विलय और इसे 4जी स्पेक्ट्रम देने सहित विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही है, ताकि कंपनी को जिंदा किया जा सके, लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं हो पाया है।

समृद्ध कृषि के लिए

1 लाख 61 हजार 'मांगेगा उसे कृषि तालाब' | 1 लाख 73 हजार कुओं का निर्माण किया गया | 'गाद मुक्त बांध, गाद युक्त शिवार योजना' के तहत साढ़े तीन करोड़ घ.मी. गाद निकाला गया | खेती की उर्वरता बढ़ी | 1 करोड़ 18 लाख 47 हजार किसानों को 'भूमि आरोग्य पत्रिका' आवंटित | 5 लाख 27 हजार कृषि पंपों को बिजली कनेक्शन दिए | 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के तहत 90 लाख किसानों को बीमा कवर दिया गया | 51 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बीमा संरक्षित | 1 करोड़ 37 लाख किसानों का 'गोपीनाथ मुंडे किसान दुर्घटना बीमा' कराया | अब किसानों के परिवार को भी योजना का लाभ | साढ़े पांच करोड़ नागरिकों को बीमा कवर | राज्य में 34 हजार प्याज स्टोरेज का निर्माण | विश्व बैंक की मदद से किसानों की उपज के लिए बाजार उपलब्ध कराने के लिए, महाराष्ट्र राज्य कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना (स्मार्ट) को लागू किया जाएगा | समूह खेती को बढ़ावा और खाद्य और कृषि प्रक्रिया उद्योग को बढ़ावा | महाअॅग्रीटेक परियोजना के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर राज्य में किसान|

- कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए पांच साल का निवेश: 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक
- कम वर्षा के बावजूद, जल संरक्षण कार्य के कारण खरीफ उत्पादन में लगातार हुई वृद्धि
- जलयुक्त शिवार अभियान के तहत 18 हजार 650 गांव पानी से परिपूर्ण। शेष 4,000 गांवों में दिसंबर 2019 तक पहुंचेगा पानी।
- 27 लाख सघमी जल भंडारण क्षमता निर्माण।
- सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से 3 लाख 87 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता। 67 टीएमसी जल संग्रहण क्षमता का निर्माण। 140 सिंचाई परियोजनाएं पूरी।
- सूक्ष्म सिंचाई अभियान के तहत 8.56 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचन समूह की स्थापना। लगभग 11 लाख किसानों का वित्तीय स्तर उठाने में मदद।
- कृषि यंत्रीकरण योजना में लगभग 30 हजार ट्रैक्टर, 12 हजार रोटावेटर, 10 हजार पावर टिलर वितरित किए गए।
- न्यूनतम आधार मूल्य आधारित सरकारी खरीद के लिए 8,336 करोड़ रुपये।
- छत्रपति शिवाजी महाराज किसान सम्मान योजना के तहत कर्जमाफी से 51 लाख किसान लाभान्वित।

सर्वोत्तम उपलब्धि महाराष्ट्र का सम्मान

जमीन को मिली संजीवनी

पहाड़ी की तलहटी में हमारी पथरीली जमीन थी। हम किसानों ने एकजुट होकर तालाब का निर्माण किया। इसमे पानी और गाद जमा था। 'गाद मुक्त बांध, गाद युक्त शिवार योजना' के तहत, तालाब का गाद हमारे खेतों में डाला गया। इसलिए, रासायनिक उर्वरक का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। भिंडी, कपास और अरहर के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई। जहां गाद डाला गया, वहां उत्पादन अधिक रूप में देखने को मिल रहा है।

– सुभाष पंडित वाघ
चौका, जि. औरंगाबाद

मिला आधार...

खेत में काम से घर आने पर रास्ते में एक दुपहिया वाहन की टक्कर से पिताजी का निधन हो गया। तीन साल पहले मेरी माँ का साया उठ गया.. हम भाई-बहन अनाथ हो गए। हालांकि, मौसी द्वारा दिए गए समर्थन और 'गोपीनाथ मुंडे किसान दुर्घटना बीमा योजना' की रकम से छत्रछाया फिर से प्राप्त की। इस योजना से प्राप्त धन से रिश्तेदारों से लिए गए पैसों को वापस कर सका। इसके अलावा, अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे छोटे भाई की शिक्षा को भी लाभ मिला।

– राजकुमार और रोहित नायकल,
सांजा, उस्मानाबाद

फसल बीमा की छत्रछाया

मेरे पास कोई फसल बीमा नहीं था। मेरी बहन ने खरीफ फसल का बीमा करने के लिए जोर दिया। फिर तीन एकड़ पाँच गुंठा भूमि के कपास की खेती का बीमा किया। मौसम की वजह से उत्पादन कम हुआ, लेकिन बीमा कराने की वजह से कोई चिंता नहीं थी। 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' के तहत 19 हजार 406 रुपये का मुआवजा मिला।

– गंगाधर सूर्यभान आढाव,
गोळेगांव ता. खुलताबाद

श्री. नरेंद्र मोदी
मा. प्रधानमंत्री

श्री. देवेंद्र फडणवीस
मा. मुख्यमंत्री

माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन

DGIPR.2019/2020/C 1492

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मनी लॉन्ड्रिंग: रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर मलविंदर और शिविंदर सिंह के ठिकानों पर ईडी के छापे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर भाइयों मलविंदर मोहन सिंह (45) और शिविंदर मोहन सिंह (43) के ठिकानों पर गुरुवार को छापे मारे। खबर के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में यह कार्रवाई की गई है। दोनों पर रेलीगेयर एंटरप्राइजेज और फोर्टिस हेल्थकेयर में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं। रेलीगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड ने पिछले साल दिसंबर में मलविंदर और शिविंदर के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा से शिकायत की थी। इस साल मई में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। उन पर 740 करोड़ रुपए के फ्रॉड के आरोप हैं। इस मामले में संज्ञान लेते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। मलविंदर-शिविंदर का जापान की दवा कंपनी दाइची सैंक्यो से भी विवाद चल रहा है। 4,000 करोड़ रुपए के भुगतान विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में दोनों भाइयों से कहा था कि आदेश का उल्लंघन किया तो जेल भेज दिए जाएंगे। दाइची सैंक्यो आर्बिट्रेशन अवॉर्ड को लागू करवाने के लिए कोर्ट में लड़ रही है। सिंगापुर ट्रिब्यूनल में उसने 2016 में केस जीता था। दाइची ने 2008 में मलविंदर-शिविंदर सिंह से रैनबैक्सी को खरीदा था। बाद में उसने आरोप लगाया कि सिंह ब्रदर्स ने रैनबैक्सी के बारे में अहम जानकारियां छिपाईं। उसने सिंगापुर ट्रिब्यूनल में शिकायत की थी।

7वीं के छात्र की हत्या, मां से बदला लेने के लिए पर्स चोर ने दिया वारदात को अंजाम

मुजफ्फरपुर। मां से बदला लेने के लिए एक अपराधी ने उसके बेटे की स्कूल में घुसकर हत्या कर दी। बेटा सूरज कुमार सातवीं क्लास का छात्र था। गुरुवार दोपहर को हमलावर स्कूल में घुसा और चाकू मारकर सूरज की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से भाग गया। घटना मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर की है। घटना से गुस्साए लोगों ने मुजफ्फरपुर-दरभंगा सड़क पर जाम लगा दिया। जानकारी के मुताबिक, छात्र की हत्या करने वाला अपराधी झपट्टा गिरोह का सदस्य है। बताया जा रहा है कि बुधवार को इसने और इसके एक साथी ने सूरज की मां से पर्स छीन लिया था। महिला एक अपराधी को पहचान गई थी। वह परिजनों को साथ लेकर उसके घर पहुंची और उसे पकड़ लिया। बदला लेने के लिए पकड़े गए अपराधी के साथी ने उसके बेटे की हत्या कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलवार ने सूरज पर कई वार किए। वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। गंभीर रूप से जख्मी सूरज को लोग हॉस्पिटल ले गए। लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

आजम के विधायक बेटे अब्दुल्ला 24 घंटे में दूसरी बार गिरफ्तार, धारा 144 तोड़ने का आरोप

रामपुर। सपा सांसद आजम खान के बेटे और स्वार-टांडा सीट से विधायक अब्दुल्ला खान को गुरुवार को 24 घंटे के अंदर दूसरी बार गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर समर्थकों के साथ धारा 144 के उल्लंघन का आरोप है। बुधवार को जौहर यूनिवर्सिटी में छापेमारी के दौरान सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में अब्दुल्ला हिरासत में लिए गए थे। हालांकि, पुलिस ने देर शाम निजी मुचलके पर उन्हें रिहा कर दिया था। पुलिस-प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद सपा कार्यकर्ता गुरुवार को सड़कों पर उतर आए। इलाके में धारा 144 लागू है। कई जिलों से कार्यकताओं के रामपुर आने की सूचना पर पुलिस ने जिले की सीमाएं सील कर दी। पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बरेली, पीलीभीत, संभल, अमरोहा, मुरादाबाद और बिजनौर के कार्यकर्ताओं को रामपुर पहुंचकर प्रदर्शन

करने के लिए कहा है। इसबीच, बरेली से आ रहे कई नेताओं और विधायकों को पुलिस ने हिरासत में लिया। रामपुर में भी 20 से ज्यादा कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए। आजम खान के घर की सुरक्षा बढ़ाई गई है। अखिलेश यादव भी रामपुर पहुंच सकते हैं। अब्दुल्ला रिहा होने के बाद समर्थकों के साथ मुहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे और धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने इस यूनिवर्सिटी को बर्बाद करने की ठान ली है, ताकि गरीबों को शिक्षा न मिल सके। किताबें चोरी करने के झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। कोई किताब चोरी नहीं की गई। रामपुर के ओरिएंटल कॉलेज के प्रिंसिपल जुबैर खान ने 9,000 से ज्यादा किताबें चोरी कर जौहर यूनिवर्सिटी के पुस्तकालय रखने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने 16 जून से मामले की जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, बुधवार को यूनिवर्सिटी से 2500 दुर्लभ किताबें बरामद की गईं। किताबें प्राचीन और मूल्यवान हैं। इस यूनिवर्सिटी की स्थापना आजम खान ने की थी। रामपुर के डीएम एके सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा और बकरीद को लेकर जिले में धारा 144 लागू है। अगर किसी ने माहौल खराब करने की कोशिश की तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। एसपी अजय पाल शर्मा ने कहा कि रामपुर जिले की सीमा बंद कर दी गई है। बाहर से आने वाले हर वाहनों को चेक किया जा रहा है। 800 पुलिसकर्मियों को अलग-अलग जगहों पर तैनात किया गया है।

उन्नाव दुष्कर्म केस: सुप्रीम कोर्ट के निर्देश- पीड़िता और उसके परिजनों को सुरक्षा मिले

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव की दुष्कर्म पीड़िता की 12 जुलाई को चीफ जस्टिस को लिखी चिट्ठी पर गुरुवार को सुनवाई की। इस दौरान चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिए कि पीड़ित और उसके परिजनों को सुरक्षा मुहैया कराई जाए। इसके अलावा अंतरिम राहत के तौर पर 25 लाख मुआवजा भी दिया जाए। कोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता से जुड़े सभी मामले दिल्ली ट्रांसफर करने के आदेश दिए। इसके अलावा सीबीआई को निर्देश दिया कि सड़क हादसे की जांच 7 दिन के भीतर और बाकी मामलों की सुनवाई 45 दिन के भीतर पूरी की जाए। पीड़िता 28 जुलाई को परिवार के साथ कार से उन्नाव से रायबरेली जा रही थी, जब एक ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। हादसे में पीड़िता की मौसी और चाची की मौत हो गई। पीड़िता वेंटिलेटर पर है। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि इस हादसे की जांच के लिए आपको कितना वक्त चाहिए। जब सॉलिसिटर जनरल ने एक महीने का वक्त मांगा तो चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने कहा कि एक महीना नहीं, 7 दिन में जांच कीजिए। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामले से जुड़े घटनाक्रमों पर भी नाराजगी जताई और कहा, इस देश में आखिर

हो क्या रहा है? कुछ भी कानून के हिसाब से नहीं हो रहा। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने कहा- पीड़ित को अंतरिम राहत के तौर पर उत्तर प्रदेश सरकार 25 लाख रुपए मुआवजा दे। इसके अलावा पीड़ित, उसके वकील, पीड़ित की मां, उसके 4 भाई-बहनों, उसके चाचा और उन्नाव में बेहद करीबी रिश्तेदारों को सुरक्षा दी जाए। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के दौरान पूछा कि पीड़िता की स्थिति अभी कैसी है। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि वह वेंटिलेंटर पर है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि क्या उसे कहीं शिफ्ट किया जा सकता है? क्या उसे एयरलिफ्ट किया जा सकता है? हम एम्स से इस बारे में पूछ सकते हैं। डॉक्टरों ने बताया कि पीड़िता की हालत अभी नाजुक है। 12 जुलाई को चीफ जस्टिस गोगोई को लिखे गए पत्र में पीड़िता और उसकी मां ने सुरक्षा की गुहार लगाई थी। इसमें लिखा था- उन लोगों पर एक्शन लिया जाए, जो उसे धमकाते हैं। लोग घर आकर केस वापस लेने की धमकी देते हैं। कहते हैं कि अगर ऐसा नहीं किया तो झूठे केस में फंसाकर जिंदगीभर जेल में बंद करवा देंगे। हालांकि, यह चिट्ठी चीफ जस्टिस की जानकारी में नहीं लाई गई। बुधवार को सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के सेक्रेटरी जनरल से इस बारे में सवाल किए। सेक्रेटरी जनरल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में हर महीने औसतन 5 हजार पत्र आते हैं। रजिस्ट्री को जुलाई में 6,900 लेटर मिले हैं। इनमें से 1,100 पत्र याचिकाएं थीं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक इनकी स्क्रीनिंग की गई थी।

विदेशी टूरिस्ट को अट्रैक्ट करती हैं भारत की ये खास जगहें

घूमने के लिहाज से भारत दुनिया के बेहतरीन देशों में से हैं। मेहमान नवाजी के मामले में भारत विश्व का इकलौता ऐसा देश है जहां हर देश के पर्यटकों का स्वागत किया जाता है। भारत का ताजमहल से लेकर राजस्थान के शाही किले विदेशी पर्यटकों को भी अपनी ओर अट्रैक्ट करते हैं। वहीं, गोवा के खूबसूरत बीचों को देखें बिना भी विदेशी टूरिस्ट नहीं रह पाते। आज हम आपको भारत के ऐसे ही कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी खूबसूरती विदेशी पर्यटकों को अपनी तरफ खींचती है।

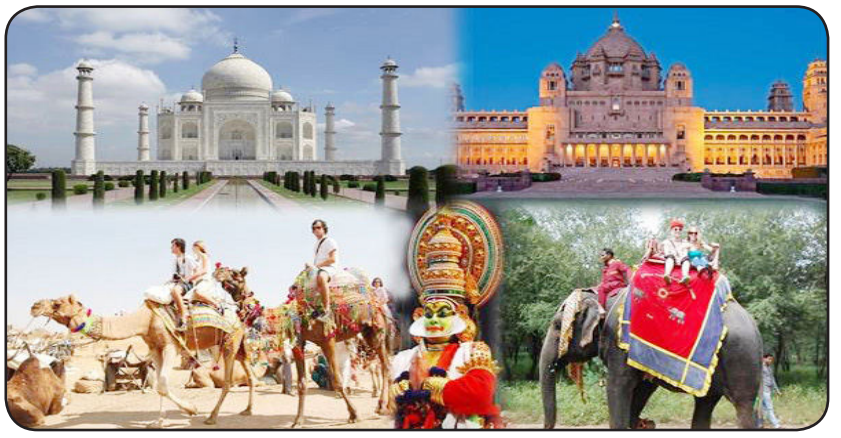

1. ताजमहल है घूमने के लिए बेस्ट - दुनियाभर में प्यार की निशानी माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती आज भी बरकरार है। भारत की शान और प्रेम के प्रतीक इस स्मारक को देखने विदेश से लाखों पर्यटक आते हैं। ताजमहल आगरा की तीन विश्व सांस्कृतिक धरोहरों में से भी एक मानी जाती है।

2. हरिमंदिर साहिब गुरुद्वारा - यह गुरूद्वारा पंजाब के अमृतसर शहर में है और इसे श्री दरबार साहिब व स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। टूरिज्म के हिसाब से इसे भी भारत का सबसे फेमस प्लेस माना जाता है। यहां रोजाना 50-70 हजार लोग आते और किसी खास मौके पर यह संख्या 1 लाख तक पहुंच जाता है। यहां पर विदेशी लोगों के लिए खास इंतजाम किए गए है।

3. राजस्थान का इतिहास - इतिहासिक नगरी के नाम से मशहूर राजस्थान विदेशी पर्यटकों के चुनिंदा शहरों में से एक है। यहां के ऊंचे-ऊंचे महल, किले और प्राचीन संस्कृति को जानने के लिए टूरिस्ट दूर-दूर से आते हैं। गर्मी हो या सर्दी टूरिस्ट का यहां आना कम नहीं होता।

4. गोवा के बीच - भारत के गोवा शहर को तो विदेशी शहर ही कहा जाता है क्योंकि यहां भारी संख्या में विदेशी टूरिस्ट आते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, समुद्री तट, नारियल के पेड़ और म्यूजिक कॉन्सर्ट के बिना तो विदेशी टूरिस्ट भी नहीं रह पाते। गर्मियों के दौरान यह जगह देशी-विदेशी पर्यटकों से भर जाती है।

5. जम्मू-कश्मीर का खूबसूरत नजारा - जम्मू-कश्मीर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। यहां की हसीन वादियां और चारों तरफ फैली विदेशी टूरिस्ट और अपनी और खींचती है।

6. दार्जिलिंग में बर्फीली वादियों का मजा - पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग शहर भी विदेशी पर्यटकों की फेमस ट्रैवल डेस्टीनेशन है। यहां पर फैली हरियाली और चाय के बगान विदेशी पर्यटकों का मन मोह लेती है। इसके अलावा यहां चलने वाली खास टॉय ट्रेन की सवारी करना भी विदेशी सैलानियों को काफी पसंद है।

मुंबई हलचल राशिफल
-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष: आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें।

वृष: लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा।

मिथुन: कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें।

कर्क: यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे।

सिंह: प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें।

कन्या: बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी।

तुला: स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।।

वृश्चिक: लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

धनु: भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना।

मकर: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे।

कुंभ: शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मीन: रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे।

350 फीट की ऊंचाई से बहता है दुनिया का सबसे बड़ा आर्टिफिशियल झरना

चीन तो टेक्नोलॉजी, प्रोडक्शन और इंवेंशन के मामले में सबसे आगे माना जाता है। वैसे तो चाइना में कई ऐसी जगहें है, जो दुनियाभर में मशहूर है लेकिन पिछले कुछ दिनों से चाइना का आर्टिफिशियल झरना काफी सुर्खियों में है। चीन के लीबियन इंटरनेशल बिल्डिंग में बनाए गए इस झरने को देखने के लिए टूरिस्ट दूर-दूर से आ रहे हैं। आइए जानते हैं क्या है इस झरने की खासियत। चीन के गुइयांग में एक गगनचुंबी इमारत में बना यह झरना करीब 108 मीटर (350 फीट) ऊंचा है। इस बिल्डिंग से गिरने वाले इस आर्टिफिशियल झरने को मानव द्वारा बनाए गए सबसे नायाब एग्जाम्पल में से एक माना जा रहा है।

लुडी इंडस्ट्री ग्रुप द्वारा तैयार की गई इस बिल्डिंग में शॉपिंग मॉल, कार्यालय और लग्जरी होटल बने हुए है। वहीं, यह आर्टिफिशियल झरना इस बिल्डिंग की खूबसूरती को चार-चांद लगा रहा है। मगर इस झरने को केवल खास मौके पर ही चलाया जाता है। इसकी वजह झरने पर होने वाला खर्च है। पर्यटको के आकर्षण का केंद्र बन चुके इस झरने की मेंटनेंस पर काफी खर्च करना पड़ रहा है। सिर्फ पानी को ऊपर चढ़ाने के लिए ही इस झरने पर प्रति घंटे 120 डॉलर (करीब 8000 रुपए) का खर्च आ रहा है। इस बिल्डिंग के ऊपर पानी चढ़ाने के लिए 4 बड़े पंप का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे ज्यादा पानी बर्बाद नहीं होता। इससे जो पानी निचे गिरता है वह दोबारा ऊपर चला जाता है।

हूबहू ताजमहल की तरह दिखती है ये 5 इमारतें

भारत की शान और प्यार की मासाल माने जाने वाले ताजमहल को देखने के लिए टूरिस्ट देश-विदेश से आते हैं। ताजमहल को मुगश बादशाह शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था। सफेद संगमरमर के पत्थरों से बनी यह इमारत दुनिया के सात अजूबों में भी गिनी जाती है लेकिन आज हम आपको ताजमहल की तरह बनी कुछ महलों के बारे में बताने जा रहे हैं। दुनिया में ताजमहल जैसी कई इमारतें मौजूद हैं, जो हू-ब-हू इसकी तरह दिखती है। भले ही यह ताजमहल जितनी खूबसूरत न हो लेकिन इनकी खूबसूरती किसी मामले में कम भी नहीं है।

1. औरंगाबाद का ताजमहल

औरंगाबाद में ताजमहल जैसे इस मकबरे को बीवी का मकबरा या भारत का छोटा ताजमहल भी कहा जाता हैं। इस मकबरे को पूरी तरह से ताजमहल की नकल कर के बनाया गया है लेकिन इसका आकार थोड़ा छोटा है। इस महल के सिर्फ गुबंद में ही संगमरमर के पत्थर लगे हुए है और बाकी का हिस्सा मिट्टी से बना है।

2. बुलंदशहर का ताजमहल

शाहजहां की तरह बुलंदशहर के फैजुल हसन कादरी ने भी अपनी बीवी की याद में इस महल को बनवाया है। अपनी सारी मेहनत की सारी कमाई लगाने के बावजूद भी फैजुल हसन कादरी इस महल में संगमरमर के पत्थर नहीं लगवा पाया। इसके बावजूद भी यह महल हू-ब-हू ताजमहल की तरह दिखता है।

3. बांग्लादेश का ताजमहल

इस ताजमहल को बांग्लादेश के फिल्म डायरेक्टर असनुल्ला ने बनवाया था। जब वह भारत घूमने आए तो उन्होंने ताजमहल जैसी सुदंर इमारत बांगलादेश में बनवाने का निर्णय लिया। मगर यह इमारत उन्होंने किसी के प्यार में नहीं बल्कि अधिक से अधिक टूरिस्टों को अपने देश में आने के लिए आकर्षित करने के लिए बनवाई थी।

4. चीन का ताजमहल

आपको जानकर हैरानी होगी कि चीन में भी एक ताजमहल है। चीन के शाहजहां पार्क में इसकी छोटी रैप्लिका बनाई गई है। ताजमहल के साथ ही इस पार्क में और भी कई एतिहासिक इमारतों की रैप्लिका मौजूद हैं।

5. दुबई का ताजमहल

दुबई में मौजूद ताजमहल जैसी दिखने वाली यह इमारत कोई महल या मकबरा नहीं है बल्कि एक वेडिंग डेस्टीनेशन है। दुबई में ताज अरेबिया के नाम एक इमारत बनाई गई है, जोकि दिखने में पूरी तरह से ताजमहल जैसी ही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मानसून में तेजी से फैलता है यह रोग

लक्षण जानकर ऐसे करें बचाव

हेपेटाइटिस लीवर से संबंधित एक संक्रमित बीमारी हैं, जिसे हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी, और ई के रूप में भी जाना जाता है। लीवर को प्रभावित करने वाली इस बीमारी के कारण लीवर में सूजन और असहनीय दर्द की समस्या देखने को मिलती है। इस बीमारी के कारण हर साल दुनियाभर में करीब 14-15 लाख लोग अपनी जान गंवा देते हैं। ज्यादातर लोगों को इस बीमारी के कारण और लक्षण पता नहीं होते, जिसके कारण वह इसकी चपेट में आ जाते हैं। लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करने के लिए आज दुनियाभर में विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जा रहा है। 'वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे' के मौके पर हम भी आपको इसके लक्षण, कारण और कुछ घरेलू उपचार बताएंगे, जिससे आप इस बीमारी से बच सकते हैं।

हेपेटाइटिस के कारण :

1. लीवर के इंफ्लैममेशन के कारण हेपेटाइटिस रोग होता है। इसके अलावावायरल इंफैक्शन के कारण भी इस रोग का खतरा बढ़ जाता है।
2. अल्कोहल का सेवन सीधे लीवर और मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है। इसलिए ज्यादा मात्रा में अल्कोहल का सेवन हेपेटाइटिस का खतरा बढ़ा देता है।
3. कुछ दवाईयां जैसे एसिटामिनोफेन का बहुत ज्यादा सेवन भी इस बीमारी का कारण बन सकता है। इसके कारण विषाक्त पदार्थ शरीर से बाहर नहीं निकल पाते और शरीर के कई हिस्सों में सूजन भी आ जाती है।
4. दूषित भोजन और पानी के जरिए भी यह बीमारी हो सकती है। हेपेटाइटिस के मामले गर्मी और बरसात के मौसम में ज्यादा सामने आते हैं, क्योंकि इन मौसमों में पानी काफी प्रदूषित हो जाता है।
5. गलत खान-पान का असर भी हेपेटाटिस रोग का कारण बनता है। गलत खान-पान का सीधा असर लीवर पर पड़ता है, जिससे आप इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

हेपेटाइटिस के लक्षण

भूख कम लगना
वजन का घटना
पेट दर्द और सूजन
त्वचा में खुजली होना
पीलिया की समस्या होना
मूत्र का रंग गहरा हो जाना
बहुत ज्यादा थकान होना
मतली और उल्टी आना
त्वचा और आंखों का पीला पड़ जाना

हेपेटाइटिस का घरेलू इलाज

1. कपूर
हेपेटाइटिस के मरीज के लिए कपूर काफी फायदेमंद माना जाता है। गेहूं के दाने बराबर कपूर को शहद के साथ मिलाकर मरीज को दें। इससे उसे काफी फायदा मिलेगा।
2. तुलसी के पत्ते
तुलसी के पत्ते को पीसकर उसे मूली के रस के साथ हेपेटाइटिस रोगी को दें। नियमित रूप से इसका सेवन इस रोग को दूर कर देगा।
3. हरा धनिया
हरा धनिया और 8-10 तुलसी के पत्तों को 4 लीटर पानी में उबालकर मरीज को पीने के लिए दें। दिन में 2-3 बार इसका सेवन करने से मरीज को फायदा पहुंचता है।
4. गन्ने का रस
गन्ने के रस के साथ तुलसी लेने से भी हेपेटाइटिस से लड़ने की ताकत मिलती है। गन्ने के रस में तुलसी के पत्ते का पेस्ट मिलाकर करीब 15-20 तक रोगी को पिलाएं।

एड्स से भी गंभीर है यह बीमारी, हो जाए सतर्क

असुरक्षित शारीरिक संबंध बनाने से कई तरह की बीमारियां फैल रही हैं, जिसमें से सबसे आम है एड्स की बीमारी। असुरक्षित शारीरिक संबंध बनाने से होने वाली इन बीमारियों की सबसे बड़ी वजह होती है लोगों में जानकारी का अभाव लेकिन क्या आप जानते है कि शारीरिक संबंध बनाने से एड्स से गंभीर बीमारी भी हो सकती हैं। शारीरिक संबंध बनाने से फैलने वाली माइकोप्लाज्मा जेनेटीलियम नाम की नई बीमारी ने डॉक्टरों को चिंता में डाल दिया हैं। एड्स से ज्यादा खतरनाक यह बीमारी यूरोप में तेजी से फैल रही हैं। डॉक्टर्स का मानना है कि अगर इसका असरदार इलाज न ढूंढा गया तो अगले पांच साल तक यह गंभीर बीमारी का रूप ले लेगी। यूरोप की एक संस्था के अनुसार, एमजी शरीरिक संबंध बनाने या गुप्त अंगों के संपर्क से फैलती हैं। एंटीबायोटिक्स की एक निश्चित डॉज देकर इस बीमारी का इलाज किया जा सकता हैं परन्तु कुछ मामलों में सही इलाज न मिलने से इस घातक बीमारी को कंट्रोल करना मुश्किल हो सकता हैं।

क्या है माइकोप्लाज्मा जेनेटीलियम?

माइकोप्लाज्मा जेनेटीलियम के कारणों

को पहचाना नहीं जा सकता लेकिन यह बीमारी पूरी तरह नई नहीं है। रोग कंट्रोल एंड रोकथाम केन्द्र के अनुसार, 1980 में पहली बार इस बीमारी की पहचान की गई थी। यह बीमारी क्लैमाइडिया(chlamydia) व प्रमेह (Gonorrhea) जैसी है। अगर इसके लक्षणों की बात करें तो क्लैमाइडिया के लक्षणों के साथ ही शारीरिक संबंध बनाने के बाद खून निकलना और यूरिन पास करते वक्त तेज दर्द होना अन्य आदि हैं। इस बीमारी से प्रभाविक लोगों को बांझपन, गुप्त अंगों में जलन अन्य आदि कई प्रॉबलम्स हो सकती हैं। एमजी का वायरस मुख्य तौर पर शारीरिक संबंधी बनाने से फैलता है। इअरल्ल्ह के अनुसार, यह बीमारी ओरल सेक्स के साथ भी फैल सकती हैं।

ऐसी 5 बड़ी बीमारियां जिससे हर महिला को रहना चाहिए Alert

इस भागदौड़-भरी लाइफ और बिजी शेड्यूल के कारण महिलाएं अपने लिए समय ही नहीं निकाल पाती। मगर बढ़ती उम्र का असर सिर्फ चेहरे पर ही नहीं बल्कि सेहत पर भी पड़ता है। 40-45 की उम्र के बाद महिलाओं को कई बीमारियों का खतरा हो सकता है। क्योंकि 30-45 साल की आयु के बाद महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। इसलिए उम्र के इस पड़ाव पर महिलाओं को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी बीमारियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिससे हर महिला को सावधान रहना चाहिए और इनके लक्षण दिखने पर तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

1. ब्रैस्ट कैंसर - औरतों में ब्रैस्ट कैंसर होने का खतरा पुरूषों के मुकाबले बहुत ज्यादा होता है। बदलते लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण महिलाएं तेजी से इस बीमारी की चपेट में आ रही है। इसलिए महिलाओं को इस बीमारी से बचने के लिए समय-समय पर ब्रेस्ट का अल्ट्रासाउंड या मेम्मोग्राम करवाना चाहिए। ब्रैस्ट में किसी भी तरह की बीमारी का पता चल जाए और समय रहते समस्या का समाधान भी किया जा सकता है।

2. सर्वाइकल कैंसर - सर्वाइकल कैंसर एक ऐसी बीमारी है जो महिलाओं को किसी भी उम्र में हो सकती है। 35 साल की उम्र के बाद महिलाओं को इसका खतरा सबसे ज्यादा होता है। औरतों के लापरवाही बरतने के कारण उनमें यह कैंसर तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसलिए हर महिला को 18 साल की उम्र के बाद से हर तीन साल पर पैप स्मीयर टेस्ट टेस्ट कराना ही चाहिए।

3. एंडोमेट्रिओसिस - एंडोमेट्रियोसिस गर्भाशय में होने वाली समस्या हैं। इसके कारण महिलाओं को भारी परेशानी उठानी पड़ती है, वहीं यह बीमारी इंफर्टिलिटी का कारण भी बन सकता है। यह समस्या किसी बाहरी संक्रमण के कारण नहीं बल्कि शरीर की आंतरिक प्रणाली में कमी के कारण होती है। इस बीमारी से सावधान रहने के लिए हर महिला को समय-समय पर सोनोग्राफी या लैप्रोस्कोपी टेस्ट करवाना चाहिए।

4. एनीमिया और कुपोषण - एनीमिया और कुपोषण महिलाओं के लिए साइलेंट किलर डिसीज है। महिलाओं को यह समस्या पुरूषों से ज्यादा प्रभावित करती है। इसलिए इनके लक्षण दिखते ही तुरंत जांच करवानी चाहिए। इसके अलावा इससे बचने के लिए अनी सेहत का ध्यान रखें और हैल्दी डाइट लें।

5. दिल के रोग - घर हो या ऑफिस, वर्क प्रैशर के कारण महिलाएं ज्यादा स्ट्रेस ले लेती हैं, जिसके कारण वह तनाव, डिप्रैशन के साथ हाइपरटेंशन की भी शिकार हो जाती है। इससे महिलाओं को हार्ट डिसीज होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसके अलावा हार्मोन्स में बदलाव और गलत लाइफस्टाइल के कारण भी महिलाओं को दिल के रोग होने का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। इसलिए समय-समय पर दिल की जांच करवाते रहें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, शुक्रवार
2 अगस्त, 2019

टीम इंडिया को नया कोच मिलने में लग सकता है वक्त

बोर्ड को सीएसी रिपोर्ट का इंतजार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के नए हेड कोच की नियुक्ति में अभी कुछ और वक्त लग सकता है, ऐसा इसलिए होगा क्योंकि कपिल देव की अध्यक्षता वाली नवगठित क्रिकेट एडवायजरी कमिटी (सीएसी) ने अबतक हितों के टकराव को लेकर अपने निष्कर्ष नहीं दिए हैं, जिसके चलते ही ये देरी हो रही है। ये बात प्रशासकों की समिति के जुड़े एक करीबी सूत्र ने नाम का खुलासा ना करने की शर्त पर बताई। कपिल देव के अलावा एडवायजरी कमिटी के दो अन्य सदस्य पूर्व भारतीय ओपनर अंशुमान गायकवाड़ और भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी हैं। प्रशासकों की समिति के जुड़े एक सूत्र ने बताया, नवगठित सीएसी ने अबतक हितों के टकराव को लेकर अबतक अपना निष्कर्ष नहीं दिया है, इसलिए कोच नियुक्त करने की प्रक्रिया में देरी हो सकती है। लेकिन हमें उम्मीद है कि

जल्द ही हमें उनका निष्कर्ष मिल जाएगा। सूत्र ने आगे कहा, सभी पूर्व क्रिकेटर्स हैं और कुछ ना कुछ कर रहे हैं। इनमें से कुछ कमेंटेटर हैं, कुछ कोच हैं या एकेडमी चला रहे हैं। फिलहाल कोई दूसरा विकल्प नहीं है, हम उनसे जल्द ही निष्कर्ष मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। खबर के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त प्रशासकों की समिति ने क्रिकेट ऑपरेशन्स के जनरल मैनेजर सबा करीम से नई सीएसी (क्रिकेट सलाहकार समिति) के लिए नाम मांगे थे और उनसे मिले नामों के बाद ही नई सीएसी का गठन किया गया है। नई सीएसी की निगरानी भी प्रशासकों की समिति को ही करना है, और इसके बाद ही वे ही भारतीय टीम के नए हेड कोच को नियुक्त प्रक्रिया पूरी करेंगे। बता दें कि हेड कोच के पद के लिए आवेदन देने की आखिरी तारीख 30 जुलाई थी।

नई सलाहकार समिति के गठन पर सवाल : बीसीसीआई के एक अधिकारी के मुताबिक, नई सलाहकार समिति में भी पहले की तरह तीन सदस्य हैं और वे ये भी देखेंगे कि किसी तरह का हितों का टकराव ना हो। हालांकि चिंता की बात ये भी है कि इस सीएसी टीम को नियुक्ति किया भी जा सकता है या नहीं, क्योंकि सीएसी का गठन सिर्फ एजीएम (वार्षिक आम बैठक) के दौरान ही किया जा सकता है। लेकिन हम देखेंगे कि आगे क्या होगा। बता दें कि इससे पहले रही क्रिकेट सलाहकार समिति में पूर्व क्रिकेटर्स सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण शामिल थे। इनमें से तेंदुलकर और लक्ष्मण ने हितों के टकराव मुद्दे को लेकर सीएसी से इस्तीफा दे दिया था, जबकि सौरव गांगुली की स्थिति को लेकर कोई जानकारी नहीं है। सीएसी को ही नए हेड कोच की नियुक्ति करना है, ऐसे में पुराने सदस्यों के इस्तीफे के बाद नए हेड कोच की नियुक्ति के लिए एक नई कमेटी का गठन किया गया। अधिकारी से जब पूछा गया कि क्या कोच की नियुक्ति को लेकर कप्तान से भी किसी तरह की सलाह ली जाएगी, तो उसने कहा कि ये तो कमिटी सदस्यों पर निर्भर करेगा कि वे कोई सलाह लेना चाहते हैं या नहीं।

चीफ सिलेक्टर ने कहा– चयन समिति दूर का सोचती है, तभी हार्दिक–बुमराह टेस्ट खेल पाए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम की 5 सदस्यीय चयन समिति पर दूरदर्शी नहीं होने के आरोप लगते रहे हैं। लेकिन चयन समिति के प्रमुख एमएसके प्रसाद ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा, अगर हम दूर की नहीं सोचते तो हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल पाते। अगर समिति में दूरदर्शिता की कमी होती तो फिर जिस बुमराह को केवल सीमित ओवरों का क्रिकेटर माना जाता था, वे कैसे टेस्ट क्रिकेट में आ पाते और फिर आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बन पाते। प्रसाद ने कहा, हम दूरदर्शी हैं, इसलिए हार्दिक पंड्या तीनों फॉर्मेट में ऑलराउंडर की भूमिका निभा पाए। जबकि पहले उन्हें सिर्फ टी20 का खिलाड़ी माना जाता था।

विराट से मतभेद की खबरों के बीच रोहित ने कहा– मैं टीम के लिए नहीं, देश के लिए खेलता हूं

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के साथ चल रही मनमुटाव की खबरों के बीच टीम (वनडे और टी20) के उपकप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को एक ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, मैं सिर्फ अपनी टीम के लिए नहीं खेलता हूं। मैं अपने देश के लिए खेलता हूं। वेस्टइंडीज दौरे पर रवाना होने से पहले कोहली ने रोहित के साथ मतभेद की खबरों को गलत बताया था। कप्तान के मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में सबकुछ ठीक है। सोमवार को वेस्टइंडीज दौरे पर रवाना होने से पहले कोहली ने कोच रवि शास्त्री के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान विराट ने कहा था, अगर मैं किसी व्यक्ति को पसंद

नहीं करता या मुझे उससे असुरक्षा महसूस होती है तो आपको वह मेरे चेहरे पर दिखेगा। मैंने हमेशा से रोहित शर्मा की तारीफ की है, क्योंकि मैं जानता हूं कि वे अच्छे हैं। हमारे बीच कभी कोई मतभेद नहीं रहे। शास्त्री ने भी दोनों खिलाड़ियों के बीच मतभेद की खबरों को गलत और चौंकाने वाला बताया था। उन्होंने कहा था, कोई भी व्यक्ति खेल से बड़ा नहीं है। न मैं, न विराट, न टीम का कोई और खिलाड़ी। अगर किसी के बीच मनमुटाव या मतभेद है तो हम जिस निरंतरता के साथ खेले हैं, वह मुमकिन नहीं होता। मैं कुछ समय से ड्रेसिंग रूम का हिस्सा हूं और इस तरह की बातें कभी नहीं हुई।

साइना थाईलैंड की फिटायापोर्न को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने दो महीने बाद कोर्ट पर वापसी की और जीत के साथ शुरूआत की। सातवीं सीड साइना ने थाईलैंड की फिटायापोर्न चेईवान को 21-17, 21-19 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना जापान की सयाका ताकाहाशी से होगा। साइना का ताकाहाशी के खिलाफ करिअर रिकॉर्ड 4-0 का है। वहीं, पुरुष सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, पी कश्यप और बी साई प्रणीत भी पहले राउंड में जीत गए। वहीं, शुभंकर डे को टॉप सीड केंतो मोमोता के खिलाफ वॉकओवर मिल गया। पांचवीं सीड श्रीकांत ने चीन के क्वालिफायर रेन पेंग बो को 21-13, 17-21, 21-19 से हराया। वहीं, प्रणय ने हांगकांग के वोंग विंग की विंसेंट को 21-16, 22-20 से मात दी। इस बीच, कश्यप ने इजराइल के मिशा जिलबरमेन को 18-21, 21-8, 21-14 से हराया। प्रणीत ने थाईलैंड के केंताफोन वांगचारोएन को 17-21, 21-17, 21-15 से हराया। पुरुष सिंगल्स में समीर और उनके भाई सौरभ वर्मा को हार का सामना करना पड़ा। सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी-अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ने ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट जोड़ी चेन पेंग सून-गोह लियू यिंग को 21-18, 18-21, 21-17 से हराया। गैरवरीय भारतीय जोड़ी ने पांचवीं सीड मलेशियाई जोड़ी को एक घंटे 2 मिनट में शिकस्त दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

तापसी के हाथ लगी एक और बायोपिक फिल्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू फिल्मों में अपने किरदार को लेकर रिस्क लेने में जरा भी नहीं चूकती हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म गेमओवर में तापसी की एक्टिंग को काफी सराहा गया। पिंक, बदला और मुल्क जैसी कई फिल्मों में दमदार परफॉर्मेंस दे चुकी तापसी पन्नू को एक और फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है। यह फिल्म हॉर्स जॉकी रूपा सिंह की बायोपिक होगी। चर्चा है कि फिल्म 'नाम शबाना' के निर्देशक शिवम नायर ने तापसी को अप्रोच किया है। निर्देशक ने इसके लिए राइट्स ले लिए हैं और अभी फिल्म की कहानी पर काम कर रहे हैं। उन्होंने यह आइडिया तापसी को सुनाया है जो कि उन्हें पसंद आया है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह प्रॉजेक्ट अगले साल फ्लोर पर जा सकता है। इस बीच तापसी उन प्रॉजेक्ट्स को पूरा करेंगी जिसके लिए उन्होंने हामी भर दी है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि 2020 के मध्य में वह रूपा सिंह की बायोपिक की तैयारियां शुरू करेंगी। तापसी पन्नू के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी अगली फिल्म मिशन मंगल 15 अगस्त को रिलीज होगी। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म है और भारत के मिशन मंगलयान पर आधारित है। तापसी पन्नू भारतीय क्रिकेटर मिताली राज की बायोपिक में भी नजर आएंगी। इसके अलावा वह एक साउथ की फिल्म, अनुभव सिन्हा की थप्पड़ और अनुराग कश्यप की एक फिल्म भी कर रही हैं।

'वॉर' में टाइगर श्रॉफ चलाएंगे दुनिया की सबसे शक्तिशाली मशीनगन

बॉलीवुड निर्देशक सिद्धार्थ आनंद माचो मैन रितिक रोशन और टाइगर श्रॉफ को लेकर फिल्म 'वॉर' बना रहे हैं। फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था जिसमें दोनों सितारों का बेहतरीन एक्शन देखने को मिला था। सिद्धार्थ आनंद ने कहा कि वह इस फिल्म में एक्शन के उस स्तर को छूने जा रहे हैं जिसे भारतीय दर्शकों ने आज तक नहीं देखा होगा। इस फिल्म में टाइगर दुनिया की सबसे शक्तिशाली मशीनगन में से एक गैटलिंग चलाते नजर आएंगे। सिद्धार्थ ने बताया, 'एक सीन के लिए हमने दुनिया की सबसे शक्तिशाली मशीनगन गैटलिंग को मंगवाया और टाइगर के लिए एक एक्शन दृश्य को कोरियोग्राफ किया। यह एक ऐसा सीन है जिसमें टाइगर को सैन्य हथियार के इस सबसे शक्तिशाली हथियार के साथ शहर को तहस-नहस करते हुए दिखाया जाएगा।' बता दें कि गैटलिंग रैपिड फायर स्प्रिंग लोडेड है और इसे हाथ से चलाई जाने वाली सबसे बेहतरीन हथियारों में से एक माना जाता है। ये आधुनिक मशीन गन और रोटरी तोप का एक नया स्वरूप है। सिद्धार्थ, टाइगर को आसाधारण हीरो मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह लोगों को कुछ ऐसा दिखाना चाहते थे जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं किया था। यशराज बैनर तले बन रही वॉर में वाणी कपूर भी नजर आएंगी। यह फिल्म 2 अक्टूबर को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होगी।

ब्रेकअप के बाद टूटगई थीं परिणीति

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने फिल्म 'लेडीज वर्सेस रिकी बहल' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया था। इसके बाद उन्होंने फिल्म 'शुद्ध देसी रोमांस' में काम किया। इसका निर्देशन भी मनीष शर्मा ने किया था। दोनों के अफेयर की कई खबरें सामने आई थीं, बाद में दोनों अलग हो गए। एक इंटरव्यू के दौरान परिणीति ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड का नाम लिए बिना बताया कि वह ब्रेकअप के बाद वह टूट गई थीं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे सब कुछ ठीक हो गया है। परिणीति ने बताया, 'मैं दिल टूटने के एक लंबे दौर से गुजर चुकी हूं और मुझे लगता है कि यह एक ही बार हुआ होगा। ईमानदारी से कहूं तो, मैं बहुत परेशान थी। वह मेरी लाइफ का सबसे बुरा समय था, क्योंकि मैंने तब तक इस तरह के रिजेक्शन का सामना नहीं किया था। उस समय मुझे अपने परिवार की सबसे ज्यादा जरूरत थी।' परिणीति चोपड़ा ने कहा, लेकिन यदि परिपक्वता के मामले में कुछ भी बदला है, तो यह सब उसी के कारण है। मैं भगवान को यह मेरी लाइफ के शुरूआती स्टेज में देने के लिए धन्यवाद देती हूं। परिणीति चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'जबरिया जोड़ी' में नजर आने वाली हैं। इसमें वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के अपोजिट दिखेंगी। फिल्म का ट्रेलर और कुछ गाने रिलीज हो चुके हैं। इसे लेकर लोगों का रिस्पॉन्स भी अच्छा है। इसके अलावा परिणीति चोपड़ा, बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल की बायोपिक के लिए तैयारी कर रही हैं।